विश्व की विशेष आत्मा हो तुम
श्रेष्ठ कर्म श्रेष्ठ धर्म की पहचान हो तुम
भारत की आन और शान हो तुम
ब्रह्मा माँ , शिव पिता की संतान हो तुम
मुखवंशावली -सच्चे ब्राह्मण,
उच कोटि है तुम्हारी
पवित्रता है निज धर्म तुम्हारा
देवकुल की आधार मूर्त हो तुम
सृष्टि रूपी कल्प वृक्ष
का फाउंडेशन हो तुम
पूर्वज आत्मा हो ,
आदि से अंत तक पार्ट बजाती
विश्वमाहराजं डबल ताज धारी हो तुम
बाप दादा के दिल्तख्त नशीन हो तुम
कोटो में कोई कोई में भी कोई चुनी,
अनमोल मणि अमूल्य रत्न हो तुम
खुद को पहचानों ,कौन हो तुम??
हीरो पार्ट धारी ,हीरा जन्म तुम्हारा
बापदादा की तुम पर पड़ी जो नज़र
कुछ खास हो तुम , आम नही
हर कार्य में बापदादा की सहयोगी
सृष्टि परिवर्तन के निमित्त हो तुम
भक्तों की इष्ट देव-देवी हो तुम
कल्याणकारी महादानी वरदानी आत्मा हो

जो डबल पूजी जाती ऐसी महान आत्मा हो तुम
विशेष हो हर कर्म , सादाहरण नही
महावीर हो, वरदानी अखुट खजाने की मालिक
बच्चे हो ईश्वर बाप के, कोई भक्त नही
अधिकारी हो, कोई भिखारी नही
नाम मान शान से परे , पूजनीय हो
वन्दनीय हो तुम
दिलाराम बाप के नैनों का नूर हो तुम
विजय माला के मनके हो तुम
सदा श्रेष्ठ स्वमान में रहना
ब्राह्मण कुल की शान हो तुम
भारत का गौरव और ईमान हो तुम
पद्मापद्म भाग्यवान विश्व महाराजन हो तुम
स्वमान है यह तुम्हारा ऊँचे ते ऊँचा
ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचना हो तुम
संगमयुगी परमात्म पालना वाली
मीठी आत्मा सिकेलधे बच्चे हो तुम
रूहानी प्रेम में समायी आत्मा हो तुम
विशेष हो तुम विशेष हो तुम!!!

ॐ शांति

,